भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3554

21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र

3554. श्रीमती पूनमबेन माडम:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ सहयोग ने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की वैश्विक मान्यता को मजबूत किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या जामनगर में डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी) वैश्विक स्तर पर साक्ष्य-आधारित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) के लिए एक प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में काम करेगा; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जी हां। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की वैश्विक मान्यता को मजबूत किया है। यह सहयोग पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित वैश्विक स्वास्थ्य मामलों में नेतृत्व प्रदान करेगा और साथ ही पारंपरिक चिकित्सा अनुसंधान, पद्धतियों और जन-स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न नीतियों को आकार देने में सदस्य देशों को मदद देगा। इस संबंध में आयुष मंत्रालय ने आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए), जामनगर तथा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद जो केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), नई दिल्ली के तहत एक इकाई है, में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पारंपरिक चिकित्सा सहयोगी केंद्र के लिए पहल की है। जिनेवा स्थित विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय में सहायक आधार पर पी-5 स्तर में आयुष विशेषज्ञ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) में पी-4 स्तर में तकनीकी अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। आयुष मंत्रालय ने स्वास्थ्य सेवा की वैज्ञानिक पारंपरिक पद्धतियों के प्रचार-प्रचार, इसकी गुणवत्ता तथा सुरक्षा बढ़ाने और इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के रूप में 2016 से डब्ल्यूएचओ के साथ 3 परियोजना सहयोग समझौतों (पीसीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और डब्ल्यूएचओ के बीच दिनांक 31.07.2024 को एक डोनर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ग) और (घ): जामनगर स्थित डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी) वैश्विक आरोग्य के केंद्र के रूप में उभरेगा, जो पारंपरिक चिकित्सा के लिए साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, प्रशिक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देगा। यह वैश्विक स्तर पर साक्ष्य-आधारित पारंपरिक, पूरक और एकीकृत

चिकित्सा (टीसीआईएम) के एक प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में काम करेगा। यह दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा का पहला और एकमात्र वैश्विक आउट पोस्ट सेंटर (कार्यालय) है जिसके निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं:

- दुनिया भर में आयुष पद्धतियों की उपस्थिति दर्ज करना।
- पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित वैश्विक स्वास्थ्य मामलों पर नेतृत्व प्रदान करना।
- पारंपरिक चिकित्सा की गुणवत्ता, सुरक्षा एवं प्रभावकारिता, पहुंच तथा तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित करना।
- डेटा अंडरटेकिंग एनालिटिक्स एकत्र करने एवं प्रभाव का आकलन करने के लिए मानदंड, मानक, तथा संगत तकनीकी क्षेत्रों में दिशानिर्देश, टूल्स एवं पद्धतियां विकसित करना। डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) सूचना विज्ञान केंद्र की परिकल्पना जो मौजूदा पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) डेटा बैंकों, वर्चुअल पुस्तकालयों तथा शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों का सहयोग निर्माण करेगा।
- उद्देश्यों के प्रासंगिक क्षेत्रों में विशिष्ट क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना तथा परिसर, आवासीय, या वेब-आधारित और डब्ल्यूएचओ अकादमी तथा अन्य रणनीतिक भागीदारों के साथ साझेदारी के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

*****